नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जय प्रकाश नारायण जयंती समारोह

14 अक्टूबर, 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में जयप्रकाश नारायण जयंती मनाई गयी। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय के संस्कृति विद्यापीठ ''लोकनायक भवन'' के सामने जेपी की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में बतौर अध्यक्ष कुलपति गिरीश्वर मिश्र ने जेपी को याद करते हुए कहा कि 'वे अंधेरे में मशाल की तरह थे। उनमें सत्ता को चुनौति देने की शक्ति इसलिए आई क्योंकि वे कभी अपने आप को सत्ता से नहीं जोड़े। जेपी जिस लोकतंत्र की कल्पना कर रहे थे उसमें यह आवश्यक है कि हर तरह के विचारों को सुना जाए।' कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन ने कारण तात्कालिक राजनीति की धारा बदल गयी थी। उस समय यह नारा प्रचलित हो गया था कि गुजरात की जीत हमारी है, अब बिहार की बारी है। कार्यक्रम के संयोजक गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने जेपी के साम्यवाद से समाजवाद, समाजवाद से सर्वोदय तक के विचारों की चर्चा की। उस समय के प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता जिसमें उन्होंने कहा था-हाँ जयप्रकाश है नाम समय की करवट की गंगड़ाई का ; भूचाल, बवंडर के ख्वाबों से भरी हुई तरुणाई का -----। का जिक्र किया और आपातकाल के समय जेपी की योगदान की चर्चा की। साथ ही प्रो. मोदी ने कहा कि जय प्रकाश

नारायण की जीवन यात्रा 'लाल सलाम' से 'जय हिन्द' तथा जय हिन्द से 'जय जगत' तक का रहा कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश मिश्र ने किया। इस कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. शरद जयसवाल, विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।